द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की फरीदाबाद शाखा के 40वें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर भाषण

---

21 दिसम्बर, 2019

आईसीएआई, फरीदाबाद शाखा

इस महत्वपूर्ण अवसर पर आप सबके बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। सबसे पहले, मैं द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की फरीदाबाद शाखा के 40वें स्थापना दिवस समारोह के शुभ अवसर पर मुझे आमंत्रित करने के लिए आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। मैं आप सभी को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।

मैं लेखा-कार्य के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा किए गए सराहनीय कार्य के लिए उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

यह बड़े गर्व की बात है कि आईसीएआई विश्व का दूसरा सबसे बड़ा लेखा-कार्य संबंधी निकाय है जो जनहित और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में शुरू से ही अपना योगदान देता आया है। मुझे यह जानकर खुशी है कि अपनी स्थापना के सात दशक के दौरान आईसीएआई ने न केवल देश में बल्कि विश्व स्तर पर भी एक प्रमुख लेखा-कार्य संबंधी निकाय के रूप में अपनी पहचान हासिल की है।

1949 में अपनी स्थापना से ही इसे अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली संस्था तथा सार्वजनिक जवाबदेही के संरक्षक के रूप में जाना जाता है। साथ ही, विश्व का सबसे बड़ा सांविधिक, लेखा-कार्य, लेखा-परीक्षा और व्यावसायिक निकाय होने के नाते यह संस्था अपने सदस्यों में स्वतंत्र, सुविचारित और संतुलित राय कायम करने के लिए भी जानी जाती है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) की प्रमुख संस्था के रूप में यह संस्था ऐसे स्वतंत्र पेशेवरों को तैयार करती है जो पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा के रक्षक होते हैं। हमारे देश में लेखा संबंधी कार्यों की आईसीएआई द्वारा की जा रही निरंतर निगरानी भारत में एकाउंटिंग के क्षेत्र में भ्रष्टाचार को रोकने के लिए बहुत आवश्यक है।

कोई भी व्यक्ति निर्धारित परीक्षाओं में भाग लेकर और तीन साल के व्यावहारिक प्रशिक्षण के बाद ICAI का सदस्य बनता है, ज्यादा से ज्यादा युवा इसमें आएं एवं इस पेशे को अपने करियर के रूप में अपनाएं, ऐसा हमारी अर्थव्यवस्था के हित में है।

सरकार ने 12 चैंपियन सेवा क्षेत्रों में से एक के रूप में इसकी पहचान की है। मैं नोटबंदी, जीएसटी, रेरा (भू-संपदा विनियामक अधिनियम,) दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, स्वच्छता-ही-सेवा आदि के प्रभावी कार्यान्वयन सहित सरकार की पहलों का समर्थन करने वाले विभिन्न अन्य कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी आईसीएआई की सराहना करना चाहूंगा। इसके अतिरिक्त, आईसीएआई उन देशों को भी तकनीकी सहायता प्रदान कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जहां लेखा-कार्य संबंधी मूलभूत सुविधाओं की कमी है।

मित्रो, जैसा कि हम सभी जानते हैं, राष्ट्र के विकास में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीए हमारे समाज में सत्यनिष्ठा की संस्कृति को मजबूत करने तथा बेहतर कॉरपोरेट शासन प्रणाली को सुनिश्चित करने का कार्य कर सकते हैं।

एक नागरिक होने के नाते जहाँ हमारे बहुत से अधिकार हैं, वहीं हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। करों (Tax) का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भुगतान भी एक जिम्मेदार नागरिक का परम कर्त्तव्य है, आर्थिक शुचिता से विकास को गति मिलती है एवं सतत् विकास में यह सहायक होता है। अगर हम सब कर्तव्यनिष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करें तो वह दिन दूर नहीं जब भारत पुनः अपने प्राचीन गौरव को प्राप्त करेगा।

आप देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 के माध्यम से प्रदान की गई स्वायत्तता, जनता के सामने एक विश्वसनीय संस्था के रूप में आपके व्यवसाय की महत्ता को उजागर करती है जो स्पष्टता, पारदर्शिता को सुनिश्चित करने तथा गलत कामों को उजागर करने की दिशा में कार्य कर रही है।

देश में स्वतंत्रता के बाद से ही अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने, कानून के शासन को लागू करने एवं वित्तीय पारदर्शिता के लिये प्रयास करते हुये कानून के माध्यम से और जन जागरण से भी मदद मिलेगी। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि अकाउंटिंग के क्षेत्र में सत्यनिष्ठा एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटक है। सत्यनिष्ठा से तात्पर्य है कि लेखाकारों को उनके समक्ष उपलब्ध वित्तीय जानकारी का संज्ञान ईमानदारी, स्पष्टता और निष्पक्ष भाव से लेना चाहिए। वस्तुनिष्ठा और स्वाधीनता के सिद्धांतों की मांग यह भी है कि लेखाकारों को अकाउंटिंग सेवाओं के समय किसी प्रकार के हितों के टकराव तथा अन्य संदिग्ध व्यावसायिक मुद्दों से जुड़ी समस्याओं से दूर रहना चाहिए।

आप वित्तीय रिपोर्टरों और मध्यस्थों के रूप में सेवा करते हैं और सार्वजनिक हित संबंधी अपने प्राथमिक दायित्व का पालन करते हैं। आपके द्वारा दी गई जानकारी महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय लेने के लिए आवश्यक है। तदनुसार, लेखाकारों के नैतिक रूप से अनुचित व्यवहार समाज के लिए हानिकारक हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप जनता आप पर अविश्वास कर सकती है और कुशल पूंजी बाजार संचालन में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है। इसलिए, आप का व्यवसाय समाज और देश के लिए वित्तीय मॉनिटर की महत्वपूर्ण भूमिका लिए हुए है।

आज, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप आईसीएआई के आदर्श वाक्य में निहित विचारों और सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध रहें। आपको देश के धन की, व्यक्तियों द्वारा अर्जित की गई मेहनत की कमाई की निगहबानी करने का दायित्व है और यह आपकी संस्था का आदर्श वाक्य 'एष सुप्तेषु जागर्ति' है, जिसका सार है- *'वह व्यक्ति सोने वाले व्यक्तियों के बीच जाग रहा है'*। इस आदर्श को प्राप्त करने के लिए आपको हमेशा सतर्क रहना होगा।

वर्तमान समय के संदर्भ में, जब हमें कई कॉरपोरेट धोखाधड़ी का सामना करना पड़ रहा है, तो यह आदर्श वाक्य सीए समुदाय के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि राष्ट्र आपको बहुत उम्मीद के साथ देखता है कि आप न केवल धोखाधड़ी का पता लगाएंगे, बल्कि ऐसे तरीके भी खोजेंगे जिससे ऐसी घटनाएं बार-बार न हों।

वित्तीय शुचिता, पारदर्शिता और जवाबदेही, जो सुशासन के महत्वपूर्ण घटक हैं, की भी आपके पेशे से अपेक्षा की जाती है। संसद ने लेखाओं को प्रमाणित करने और उसका लेखापरीक्षण करने की आपको एक बड़ी जिम्मेदारी प्रदान की है। आपको यह सुनिश्चित करना है कि समाज की आर्थिक स्थिति ठीक रहे।

बढ़ती व्यावसायिकता को देखते हुए, मैं यह उल्लेख करना चाहूंगा कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने इंडियन ऑडिट फर्मों से आग्रह किया है कि वे दुनिया में अत्यधिक सम्मानित आडिट फर्मों के रूप में उभरकर आएं, जिन्हें वर्ष 2022 तक शीर्ष कंपनियां और संस्थाएं अपने लेखापरीक्षण कार्य को सौंप सकें। इसके लिए आपको दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कौशल की तुलना में अपने कौशल को उन्नत करने और आज के गतिशील दुनिया के लिए पेशेवर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए बहुत प्रासंगिक नए कौशल प्राप्त करने की आवश्यकता है। मैं एक बार फिर आईसीएआई, फरीदाबाद को उनकी 40वीं वर्षगांठ पर बधाई देता हूं और आपसे अब तक किए गए अच्छे कार्यों को जारी रखने का आग्रह करता हूं।

इस अवसर पर आईसीएआई, फरीदाबाद शाखा द्वारा अपने सदस्यों की एक डायरेक्टरी भी प्रकाशित की जा रही है। निश्चय ही, इससे आप वित्तीय विश्लेषकों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों एवं कई अन्य वित्तीय मसलों पर आपसी चर्चा, अंतरसंवाद एवं विचारविमर्श करने में सुविधा होगी। मैं इसके लिए सभी आयोजकों को - बधाई देता हूँ।